भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1441
29 जुलाई, 2025 को उत्तर के लिए

कच्चे इस्पात की क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य

1441. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत में कच्चे इस्पात की क्षमता को वर्तमान 8 मीट्रिक टन उत्पादन से बढ़ाकर 2030 तक 300 मीट्रिक टन तक करना और उत्पादन को 255 मीट्रिक टन तक बढ़ाना सरकार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या यह सच है कि भारत के कुल इस्पात आयात में चीन से होने वाले आयातित इस्पात का हिस्सा 70 प्रतिशत से अधिक है और यदि हां, तो इस्पात आयात में चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार इस्पात क्षेत्र के विकास हेतु अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित कर एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 घरेलू मांग, निर्यात और विभिन्न अन्य कारकों में वृद्धि के अनुमानों के आधार पर वर्ष 2030 तक 300 मिलियन टन (एमटी) की क्रूड इस्पात क्षमता और 255 एमटी के उत्पादन की परिकल्पना करती है। वर्ष 2024-25 के लिए क्रूड इस्पात क्षमता और उत्पादन क्रमश: 200.33 एमटी और 152.18 एमटी था।

(ख) विगत दो वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान चीन से तैयार इस्पात के आयात के साथ-साथ समग्र आयातों में उसकी हिस्सेदारी का विवरण निम्नलिखित है:–

तैयार इस्पात आयात (एमएनटी)			
वर्ष	**चीन से आयात**	**कुल आयात**	**चीन का % हिस्सेदारी**
2023-24	2.69	8.32	32.3
2024-25	2.53	9.55	26.5
अप्रैल-जून 2025-26*	0.31	1.38	22.4
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); *अनंतिम; एमएनटी = मिलियन टन			

*****